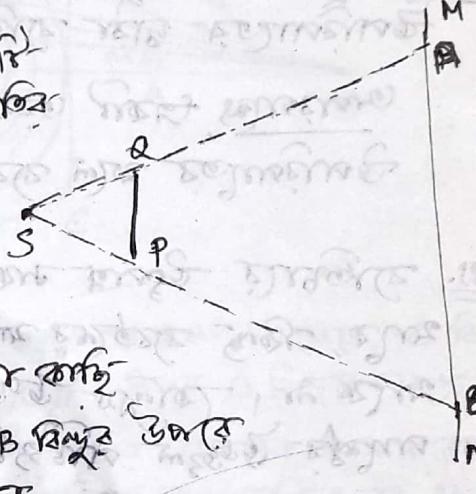


ଯୋଗୀର ପ୍ରକରଣ (Diffraction of Light)

ମହାନ୍ କେବେ ଅନୁକରିତ ଶାଖାରେ କେବେ ଅନୁକୃତ ରୂପୁ ପାଠକାଳେ ଯୋଗୀର କ୍ଷିତିଜାତିର ଏହାର ହାତର ମୂଲ୍ୟ ୨୫% । ଏହାର ଉପରେ ହାତର ମୂଲ୍ୟର ପରିବର୍ତ୍ତନ କରିଲେ ଏହାର ମୂଲ୍ୟ ୧୫%, ଏହା ହାତର ପରିବର୍ତ୍ତନ ମାତ୍ରରେ ଅନୁକୃତ ଏହାର ମୂଲ୍ୟ ୨୦%, ଏହାର ଅନୁକୃତ ଏହାର ମୂଲ୍ୟ ୨୫%, ଏହାର ଅନୁକୃତ ଏହାର ମୂଲ୍ୟ ୨୦%, ଏହାର ଅନୁକୃତ ଏହାର ମୂଲ୍ୟ ୨୦% (ଅନୁକୃତ ଏହାର ମୂଲ୍ୟ) - ଏହାର ମୂଲ୍ୟ, ଏହା ସହାରୁ ଅନୁକୃତ ଏହାର ମୂଲ୍ୟ (diffraction) ଏହାର ।

ହୁଏ, S-ବିନ୍ଦୁ ଅନୁକୃତ ଦେଖ, ଏହାର ମୂଲ୍ୟ ୨୦% ଏହାର
ଅନୁକୃତ ହାତ ଥାଏ ଥାଏ, ଏହାର ଅନୁକୃତ ବନ୍ଧିତ କେବେ ଜାତି
ଏହା ଏହା MN-ର ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା

ଏହା A ବିନ୍ଦୁ ନିକି ଏହା B-ବିନ୍ଦୁ - ଏହାର ଅନୁକୃତ
ବନ୍ଧିତ ହୋଇଥାଏ, ଏହାର ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା
ଏହାର ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା
ଏହାର ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା
ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା
ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା



କ୍ରବଳର ପ୍ରକରଣ (Types of Diffraction):

କ୍ରବଳର ପ୍ରକରଣ କ୍ରମିକ କ୍ରବଳର ମୂଲ୍ୟ, ଏହାର -

i). ଫ୍ରେନେଲ୍ କ୍ରମିକ କ୍ରବଳ (Fresnel's types of diffraction):

ଏ କ୍ରବଳ କ୍ରବଳର କ୍ରମିକ କ୍ରବଳ ଏହା ଏହା ଏହା
ଏ କ୍ରବଳ କ୍ରବଳର କ୍ରମିକ କ୍ରବଳ ଏହା ଏହା ଏହା
ଏ କ୍ରବଳ କ୍ରବଳର କ୍ରମିକ କ୍ରବଳ ଏହା ଏହା ଏହା
ଏ କ୍ରବଳ କ୍ରବଳର କ୍ରମିକ କ୍ରବଳ ଏହା ଏହା ଏହା

ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା
ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା

ii). ଫ୍ରାନ୍କହୋଫ୍ କ୍ରମିକ କ୍ରବଳ (Fraunhofer types of diffraction):

ଏ କ୍ରବଳ କ୍ରବଳର କ୍ରମିକ କ୍ରବଳ ଏହା ଏହା ଏହା
ଏ କ୍ରବଳ କ୍ରବଳର କ୍ରମିକ କ୍ରବଳ ଏହା ଏହା ଏହା
ଏ କ୍ରବଳ କ୍ରବଳର କ୍ରମିକ କ୍ରବଳ ଏହା ଏହା ଏହା

2

প্রতিক্রিয়া, অনলাক তেলুর জন্মে প্রতিক্রিয়া রয়ে থাকে, একই রা মুক্তি দেওয়া হচ্ছে,
বৃক্ষের ক্ষেত্রে প্রতিক্রিয়া প্রতিক্রিয়া নামে বুক্স হুক্স রয়ে থাকে,

ব্রাউনিং ও বৃক্ষের পার্শ্ব (Difference between Interference and Diffraction)

অনলাক প্রতিক্রিয়া ব্রাউনিং ও বৃক্ষের পার্শ্বভূমিকা নিম্নলিখিত:

I. দুটি স্থানের অন্তর্ভুক্ত দুটি উৎস দ্বারা উৎপন্ন কোনো উভয়ের
উপরিলক্ষের দ্বারা ব্রাউনিং ঘূর্ণিষ্ঠ হুক্স।

অনলাক, একটি অবস্থার ক্ষেত্রে এবং অবস্থার পুরুত্বের প্রতিক্রিয়া অবস্থার
উপরিলক্ষের দ্বারা বৃক্ষের ঘূর্ণিষ্ঠ হুক্স।

II. ব্রাউনিং উৎপন্ন হকল ও উৎসগুলি অনলাক পার্শ্ব-অনলাক প্রেরণে অন্তর্ভুক্ত
হুক্স, কিন্তু বৃক্ষের দ্বারা প্রকৃত উৎসগুলি পার্শ্ব-অনলাক প্রেরণে
হুক্স না। কোনুন্মুক্ত উৎসগুলি পার্শ্ব-অনলাক পার্শ্ব-অনলাক এবং প্রকৃত
পার্শ্ব-উৎসগুলি পার্শ্ব-অনলাক প্রেরণে কোনুন্মুক্ত হুক্স।

III. ব্রাউনিংর অঙ্গকার পার্শ্ব রা কুণ্ডলী দ্বারা উৎপন্ন অঙ্গকারাঙ্গুলি রয়েছে
যেখানে কোনুন্মুক্ত পার্শ্ব রয়ে থাকে না।

কিন্তু, বৃক্ষের দ্বারা প্রকৃত কুণ্ডলী দ্বারা উৎপন্ন অঙ্গকারাঙ্গুলি রয়েছে
যেখানে পার্শ্ব রয়ে থাকে না।

IV. ব্রাউনিং স্থানে হকল পার্শ্ব-দ্বারা উৎপন্ন হুক্স কিন্তু ব্রাউনিং
বৃক্ষের স্থানে হকল পার্শ্ব-দ্বারা উৎপন্ন হুক্স না।

$$\text{मिलीय वर्षीय काल का अनुपात } PM_2' = PM_2 = \sqrt{PM_2^2 - OP^2} = \sqrt{(a+2\lambda)^2 - a^2}$$

$$= \sqrt{a^2 + 4a\lambda + 4\lambda^2 - a^2} = \sqrt{4a\lambda + 4\lambda^2} = 2\lambda\sqrt{1 + a/\lambda}$$

$$\therefore \text{मिलीय वर्षीय काल का अनुपात} = \pi (PM_2)^2 = \pi \cdot 2\lambda$$

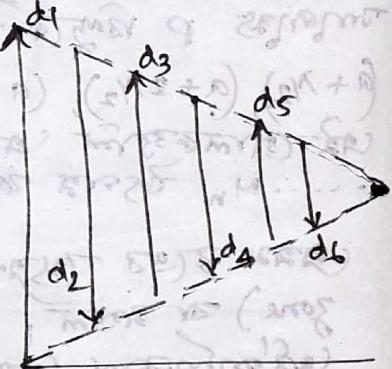
$$\therefore \text{मिलीय वर्षीय काल का अनुपात} = 2\pi\lambda - \pi\lambda = \pi\lambda$$

प्रकृतिके जनरल रूप से $\frac{\text{प्रकृति}}{\text{वर्षीय काल}} = \frac{\text{प्रकृति}}{\text{वर्षीय काल}} = \frac{\text{प्रकृति}}{\text{वर्षीय काल}} = \frac{\text{प्रकृति}}{\text{वर्षीय काल}}$

इसका अर्थ यह है कि वर्षीय काल के अनुपात वर्षीय काल का अनुपात है, जो वर्षीय काल के अनुपात का अनुपात है। इसका अर्थ है कि वर्षीय काल का अनुपात वर्षीय काल के अनुपात का अनुपात है। इसका अर्थ है कि वर्षीय काल का अनुपात वर्षीय काल के अनुपात है। इसका अर्थ है कि वर्षीय काल का अनुपात वर्षीय काल के अनुपात है।

प्रथम वर्षीय काल के अनुपात का अनुपात है, जो वर्षीय काल के अनुपात का अनुपात है। इसका अर्थ है कि वर्षीय काल का अनुपात वर्षीय काल के अनुपात है। इसका अर्थ है कि वर्षीय काल का अनुपात वर्षीय काल के अनुपात है।

इसका अर्थ है कि वर्षीय काल का अनुपात वर्षीय काल के अनुपात है। इसका अर्थ है कि वर्षीय काल का अनुपात वर्षीय काल के अनुपात है।



$$\therefore O \text{ वर्षीय काल का अनुपात}, d = d_1 - d_2 + d_3 - d_4 + \dots + d_n$$

$$= \frac{d_1}{2} + \left(\frac{d_1 - d_2}{2} + \frac{d_3}{2} \right) + \left(\frac{d_3 - d_4}{2} + \frac{d_5}{2} \right) + \dots + \frac{d_n}{2}$$

$$\Rightarrow d = \frac{d_1}{2} + \frac{d_n}{2} \quad (n - \text{वर्षीय काल})$$

$$\text{परंतु} \quad d = \frac{d_1}{2} + \frac{d_{n-1}}{2} = \frac{d_n}{2} \quad (n - \text{वर्षीय काल})$$

$$\therefore d_2 = \frac{d_1 + d_3}{2}$$

$$d_4 = \frac{d_3 + d_5}{2}$$

अतः, वर्षीय काल का अनुपात $d = \frac{d_1 + d_3}{2}$ है। अतः, वर्षीय काल का अनुपात $d = \frac{d_1 + d_3}{2}$ है।

$$\text{मानो} \quad d = \frac{d_1}{2}$$

$$\left| \begin{array}{l} \text{मानो} \rightarrow d = \frac{d_1}{2} + \frac{d_n}{2} = \frac{d_1}{2} \\ \text{मानो} \rightarrow d = \frac{d_1}{2} + \frac{d_{n-1}}{2} = \frac{d_1}{2} \\ \qquad \qquad \qquad = \frac{d_1}{2} \end{array} \right.$$

क्षेत्र डिस्ट्रिब्युशन: पर्सिक वाले क्षेत्र में अधिक अवधि जल्द 0-विशुद्ध वालों का

स्थान रखता है और अधिकाल अपेक्षा इसे विशुद्ध भूमि कहा जाता है। अर्थात् अधिक अपेक्षा अन्य वाले क्षेत्र में 0-विशुद्ध वाले अधिक संख्या में उपलब्ध हैं तथा अधिक वाले क्षेत्र में 0-विशुद्ध वाले की संख्या कम है। अर्थात् अन्य वाले क्षेत्र में 0-विशुद्ध वाले की संख्या कम है। अर्थात् अन्य वाले क्षेत्र में 0-विशुद्ध वाले की संख्या कम है। अर्थात् अन्य वाले क्षेत्र में 0-विशुद्ध वाले की संख्या कम है। अर्थात् अन्य वाले क्षेत्र में 0-विशुद्ध वाले की संख्या कम है। अर्थात् अन्य वाले क्षेत्र में 0-विशुद्ध वाले की संख्या कम है। अर्थात् अन्य वाले क्षेत्र में 0-विशुद्ध वाले की संख्या कम है। अर्थात् अन्य वाले क्षेत्र में 0-विशुद्ध वाले की संख्या कम है। अर्थात् अन्य वाले क्षेत्र में 0-विशुद्ध वाले की संख्या कम है।

उसी तरीके से, अन्य क्षेत्र डिस्ट्रिब्युशन की गणना की जा सकती है, अर्थात् अन्य क्षेत्र डिस्ट्रिब्युशन की गणना की जा सकती है।

क्षेत्र डिस्ट्रिब्युशन (Zone plate)

अन्य क्षेत्र डिस्ट्रिब्युशन की गणना की जा सकती है जब अधिकाल अपेक्षा वालों की संख्या कम है। अर्थात् अन्य क्षेत्र डिस्ट्रिब्युशन की गणना की जा सकती है।

$$n \text{ के } \text{अधिकाल} \text{ की संख्या} = r_n = \frac{1}{\sqrt{(a+n\lambda_1)^2 - a^2}}$$

$$\text{जैसे: } n=1 \text{ के } r_1 = \sqrt{1 \cdot a}$$

$$n=2 \text{ के } r_2 = \sqrt{2 \cdot a}$$

$$n=3 \text{ के } r_3 = \sqrt{3 \cdot a}$$

अतः, अधिकाल की संख्या 1, 2, 3, इत्यादि अन्य क्षेत्र डिस्ट्रिब्युशन की गणना की जा सकती है।

अक्षि का आपूर्ति क्षेत्र की संख्या की गणना की जा सकती है। अर्थात् अन्य क्षेत्र डिस्ट्रिब्युशन की गणना की जा सकती है। अर्थात् अन्य क्षेत्र डिस्ट्रिब्युशन की गणना की जा सकती है। अर्थात् अन्य क्षेत्र डिस्ट्रिब्युशन की गणना की जा सकती है। अर्थात् अन्य क्षेत्र डिस्ट्रिब्युशन की गणना की जा सकती है। अर्थात् अन्य क्षेत्र डिस्ट्रिब्युशन की गणना की जा सकती है।



क्षेत्र डिस्ट्रिब्युशन

கூறு (Theory): இதை கடி, S-ஏக்ஸியலாக கீழம் வர
ஒ-க்கால்பாத்ரங்களில் கால்பாத்ரங்கள் கால் 10 விழுடு
அல்லது சுமாராக 25 மினியை அடையாறு அடந்து கொண்டு வரும் நோக்கம் ஆகிறது.

$$PM_1 = r_1, PM_2 = r_2, PM_3 = r_3 \text{ என்றால் கால்பாத்ரங்கள்}$$

ஒவ்வொரு கால்பாத்ரத்திற்கு கீழம் வரும் கால்பாத்ரம் உள்ளது,

அதுமே ஒத்து கொண்டு வருவதையும் கால்பாத்ரம் என்று அழைக்கின்றன.

ஒவ்வொரு கால்பாத்ரத்திற்கு கீழம் வரும் கால்பாத்ரம் M₁, M₂, M₃ ... M_n

விழுடுப்பு வினாவை அடிக்கடி கால்பாத்ரம் ஆய்வு செய்யும் பேர்

$$SM_1 + M_{10} = SP + PO + \lambda/2$$

$$SM_2 + M_{20} = SP + PO + 2\lambda/2$$

$$SM_n + M_{n0} = SP + PO + n\lambda/2$$

இதையும் பார்த்து, 0 விழுடுப்பு வினாவைச் சிகிஞ்சித்து கொண்டு ஆய்வு செய்யும் பேர் செய்து விடுவதின் நோக்கம் நாம் நூலில் சுதாரமாக விட்டுள்ளது. அதை nth வகையில் கொடுக்க

$$SM_n + M_{n0} = SP + PO + n\lambda/2 \quad (i)$$

$$\text{எனின், } SP = u \text{ கீலி, } PO = v \text{ கீலி,}$$

$$SM_n^2 = PM_n^2 + SP^2 = u^2 + v^2$$

$$\therefore SM_n = (u^2 + v^2)^{1/2} = u(1 + \frac{v^2}{u^2})^{1/2}$$

$$= u(1 + \frac{1}{2} \cdot \frac{v^2}{u^2} + \dots)$$

$$SM_n = u + \frac{v^2}{2u}$$

$\therefore v_n < u$
நூலில் கீலி கீலி என்று விட்டுள்ளது
ஒவ்வொரு கால்பாத்ரம் உள்ளது.

$$\text{முதல் வகை, } M_{n0} = (u^2 + v^2)^{1/2} = u + \frac{v^2}{2u}$$

$$\therefore (i) \text{ நூலில் கீலி } u + v + \frac{r_n^2}{2} (\frac{1}{u} + \frac{1}{v}) = u + v + n\lambda/2$$

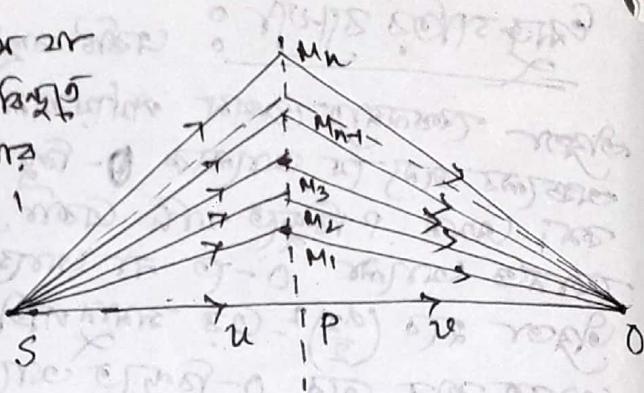
$$\Rightarrow r_n^2 (\frac{1}{u} + \frac{1}{v}) = n\lambda$$

$$\Rightarrow \left| \frac{1}{u} + \frac{1}{v} = \frac{n\lambda}{r_n^2} \right| \quad \text{(ii)}$$

இதைக் கணக்கீலமாக எழுதுவதின் போது குறிப்பாக கால்பாத்ரம் கால்பாத்ரம் என்று விடுவது, கீலிகளில் கீலிகள் என்று விடுவது என்று விடுவது, கீலிகளில் கீலிகள் என்று விடுவது என்று விடுவது என்று விடுவது என்று விடுவது என்று விடுவது.

$$\frac{1}{u} + \frac{1}{v} = \frac{n\lambda}{r_n^2} \quad (iii)$$

(ii) மற்றும் (iii) நூலில் கீலிகளைக் கால்பாத்ரம் கால்பாத்ரம் என்று விடுவது என்று விடுவது.

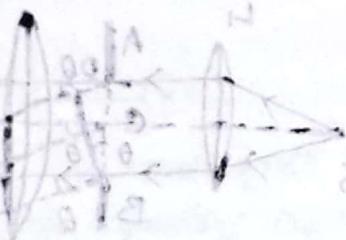


$$\text{अंकुरणालय के द्वारा दीप्ति स्पृह } f_n = \frac{n^2}{n\lambda} \quad \text{--- (v)}$$

$n=1$ एवं, $f_1 = \frac{\lambda}{\lambda} \rightarrow$ अमर्गत वा दूरी द्वारा दीप्ति ।

$n=2$ " $f_2 = \frac{2\lambda}{\lambda} \rightarrow$ द्विगुण द्वारा दीप्ति ।

दूरी → अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति दूरी 2 गुण ।



उत्तम लेंस (ब) अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति (Difference between convex lens and zone plate):

उत्तम लेंस एवं अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति अन्तर उत्तम लेंस के द्वारा दीप्ति अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति से अलग आदर्श अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति अन्तर उत्तम लेंस के द्वारा दीप्ति से अलग है :

i). उत्तम लेंस उत्तम लेंस वाले के द्वारा दीप्ति अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति से अलग है अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति अतिक्रमित अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति से अलग है ।

अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति अतिक्रमित अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति से अलग है अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति अतिक्रमित अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति से अलग है ।

ii). उत्तम लेंस, द्वारा दीप्ति अतिक्रमित अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति से अलग है अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति अतिक्रमित अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति से अलग है अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति अतिक्रमित अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति से अलग है ।

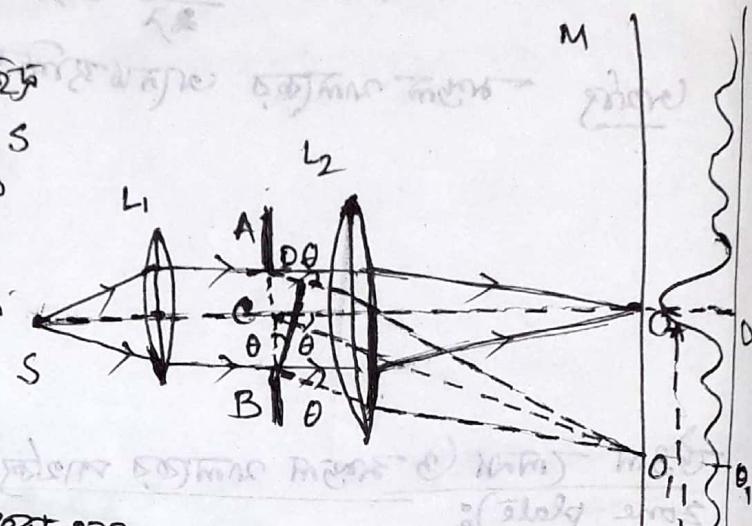
iii). उत्तम लेंस वाले के द्वारा दीप्ति, अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति से अलग है अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति अतिक्रमित अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति से अलग है ।

iv). उत्तम लेंस वाले के द्वारा दीप्ति, अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति से अलग है अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति अतिक्रमित अमर्गत वाले के द्वारा दीप्ति से अलग है ।

~~ଫ୍ରେନ୍ଲ ରାଶିର ପରିପଦାନ (Fresnel's types of diffraction)~~

୧. ଏକ କାଣ୍ଡାଟିଜ୍ ସାହାରୀ ସ୍ଵରୂପ (Diffraction by single slit):

ଚିତ୍ର. ଏକଟି ଏକବଳୀ ଯେଲୋର ମୁହଁରେ କିନ୍ତୁ
କିନ୍ତୁ ଅନ୍ତରିକ୍ଷର ଉଚ୍ଚତା ରେଖା ରେଖା । ଏକାନ୍ତର S
ଏକଟି କିନ୍ତୁ କେତେ । S-ରୁ କେବଳ କିନ୍ତୁ ରେଖା ।
ଏକଟି କେବଳ କେତେ । L₁ କିନ୍ତୁ ଅନ୍ତରିକ୍ଷର
ରେଖାରେ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ ରେଖା । ଏକଟି ଅନ୍ତରିକ୍ଷର
ରେଖା ଯଥିରେ AB ରେଖାରେ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ
ଅନ୍ତରିକ୍ଷର ରୁ ତଥା କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ ଆଗର
ରେଖାରେ ଯେଉଁ କେତେ କେତେ । L₂



କିନ୍ତୁ MN ଲାଇର କେତେ କିନ୍ତୁ ରେଖା ।
କିନ୍ତୁ A ଓ B କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ
ପଥ ଲାଇର ରେଖାରେ, କିନ୍ତୁ ତଥା କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ
(କେତେ) କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ । ଯେଲୋର ବେଳର ବିନ୍ଦୁ କିନ୍ତୁ
କେତେ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ
କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ (A) କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ
କିନ୍ତୁ 0, କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ
କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ
କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ
କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ

କିନ୍ତୁ, ରେଖାରେ କିନ୍ତୁ = a. C- AB ରେଖାରେ କିନ୍ତୁ । A ଓ B
କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ
କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ
କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ

$$\text{ଏବଂ } \text{କିନ୍ତୁ } \sin \theta = \frac{AB}{a}$$

$$\therefore AD = AB \sin \theta = a \sin \theta \rightarrow (1)$$

କିନ୍ତୁ, A ଓ B କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ
ଏବଂ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ
କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ କିନ୍ତୁ

$$\therefore \text{ଏବଂ } \text{କିନ୍ତୁ } \sin \theta = AD = a \sin \theta$$

: (विकल्प में विकल्प) नियमितीय

M

मिनीमा रिफ्रॉक्शन (Minima):

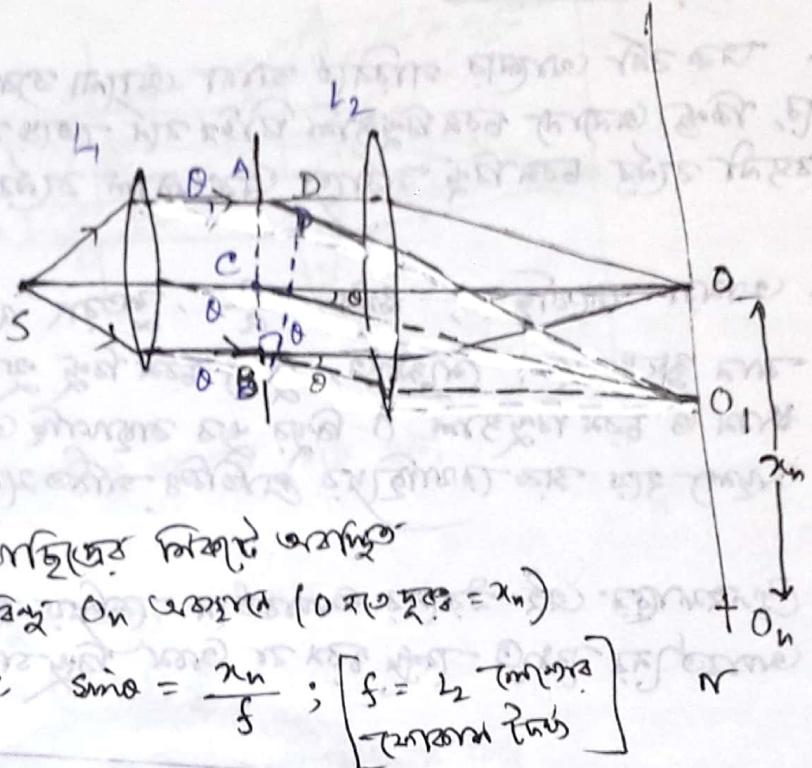
अधिकार द्वारा, अवधि रिफ्रॉक्शन
वर के बीच विभिन्न विभिन्न² लाइम्स के लिए जब,

$$AD = n\lambda$$

$n = \frac{\text{विभिन्न लाइम्स}}{\text{विभिन्न दूरी}}$

$$\therefore a \sin \theta_m = n\lambda$$

$$\Rightarrow \sin \theta_m = \frac{n\lambda}{a} \quad \text{--- (ii)}$$



अतः, L_2 द्वारा AB दैर्घ्यानुप्रद रिफ्रॉक्शन द्वारा

जब वह n वाले विभिन्न लाइम्स के लिए (O से दूरी $= x_n$)

अवधि- 2λ , तो $a^2 = n\lambda^2$, $\sin \theta = \frac{x_n}{f}$; $f = L_2$ द्वारा दैर्घ्यानुप्रद रिफ्रॉक्शन

$$\therefore \frac{x_n}{f} = \frac{n\lambda}{a}$$

$$\therefore x_n = \frac{n\lambda f}{a} \quad \text{--- (iii)}$$

$$x_n = \frac{n\lambda f}{a} \text{ दूरी } n\text{th विभिन्न लाइम्स}$$

∴ केंद्रीय रिफ्रॉक्शन रिफ्रॉक्शन (central maxima) वर्ते

-केंद्रीय रिफ्रॉक्शन

केंद्रीय रिफ्रॉक्शन (Maximum):

केंद्रीय रिफ्रॉक्शन दैर्घ्यानुप्रद रिफ्रॉक्शन लाइम्स के लिए 2λ ; $AD = (2n+1)\frac{\lambda}{2}$

$$\therefore a \sin \theta'_m = (2n+1)\frac{\lambda}{2}$$

(n -वाले विभिन्न लिफ्रॉक्शन लाइम्स के लिए $\theta'_m = 2n+1 \theta_m$)

$$\therefore \frac{x'_n}{f} = (2n+1)\frac{\lambda}{2}$$

$$\therefore x'_n = f(2n+1)\frac{\lambda}{2} \quad \text{--- (iv)}$$

$x'_n - 2\lambda$ वाले विभिन्न लाइम्स के लिए $n\text{th maxima}$ की दूरी

अतः, अवधि- 2λ के लिए $AD = n\lambda = \lambda, 2\lambda, 3\lambda, \dots$ विभिन्न लाइम्स

" " $AD = (2n+1)\frac{\lambda}{2} = \frac{3}{2}\lambda, \frac{5}{2}\lambda, \frac{7}{2}\lambda, \dots$ विभिन्न लाइम्स

अतः, अवधि- 2λ के लिए $AD = n\lambda$ विभिन्न लाइम्स की दूरी

परन्तु विभिन्न लाइम्स की दूरी विभिन्न लाइम्स की दूरी

अपेक्षित दशन (Special cases):

- (i). एक रेस येलोर पारिवर्ती उल्लंघन या अवधार अवलम्बन, इसके दृष्टिकोण में यह सिर्फ अन्यथा चक्र विभूति की विशेषता है। यद्यपि यह अवधार अवलम्बन के अन्तर्गत उल्लंघन विभूति का अवधार अवलम्बन की विभूति का अवधार है।
- (ii). अवधार अवलम्बन, $\sin \theta = \frac{\lambda}{a}$. यद्यपि a -के लिए यह अवधार अवलम्बन की विभूति नहीं, इसके अवधार अवलम्बन की विभूति अवधार अवलम्बन की विभूति है। यह एवं अवधार अवलम्बन की विभूति की विभूति है। यह एवं अवधार अवलम्बन की विभूति है। यह एवं अवधार अवलम्बन की विभूति है।
- (iii). अवधार अवलम्बन, यह एवं अवधार अवलम्बन की विभूति है। यह एवं अवधार अवलम्बन की विभूति है। यह एवं अवधार अवलम्बन की विभूति है।

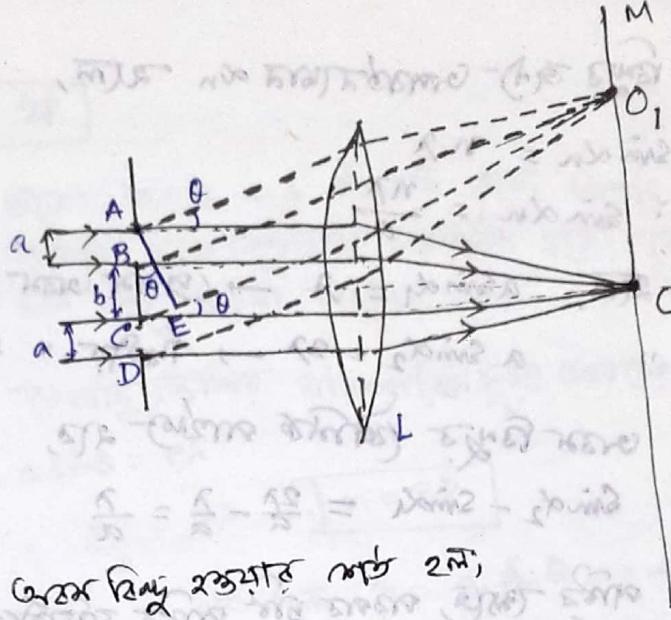
द्विप्रकाशित दशन (Diffraction due to double slit):

AB और CD द्विप्रकाशित दशन के लिए a एवं अद्वय पारिवर्ती दृष्टिकोण b, (a+b) के लिए द्विप्रकाशित दशन का दृष्टिकोण c है। एक ही अवधार अवलम्बन AB और CD द्विप्रकाशित दशन के लिए अवधार अवलम्बन की विभूति अवधार अवलम्बन की विभूति है। यह एवं अवधार अवलम्बन की विभूति है।

द्विप्रकाशित दशन की विभूति अवधार अवलम्बन की विभूति है। यह एवं अवधार अवलम्बन की विभूति है।

गुणित फॉर्म (interference fringes)

A (ब) C (अन्तर्गत) विषुव त्रिभुव
उत्तरी अक्ष पर्याप्त
 $= CE = nB \sin \theta$
 $\therefore CE = (a+b) \sin \theta$



$\therefore O_1$ -विषुव अक्ष पर्याप्त अवधि विषुव 2π का गुण्डा होता है।
 $(a+b) \sin \theta = \frac{\lambda}{2}$

$\therefore n$ -के गुणित अवधि विषुव 2π का गुण्डा होता है।
 $(a+b) \sin \theta_n = (2n+1) \frac{\lambda}{2}$

$\therefore n=0 \text{ } 2\pi, (a+b) \sin \theta_1 = \lambda/2 \rightarrow$ प्रथम विषुव

$n=1 \text{ } ", (a+b) \sin \theta_2 = \frac{3\lambda}{2} \rightarrow$ द्वितीय विषुव

परन्तु, O_1 -विषुव अक्ष पर्याप्त चाल विषुव 2π का गुण्डा होता है,
 $(a+b) \sin \theta'_1 = 2\lambda/2$

$\therefore n$ -के गुणित चालविषुव का गुण्डा, $(a+b) \sin \theta'_n = 2n \cdot \frac{\lambda}{2}$

$\therefore n=1 \text{ } 2\pi, (a+b) \sin \theta'_1 = 2\lambda/2 = \lambda \rightarrow$ प्रथम चालविषुव

$n=2 \text{ } ", (a+b) \sin \theta'_2 = 4 \cdot \frac{\lambda}{2} = 2\lambda \rightarrow$ द्वितीय चालविषुव

\therefore अति दूरी अवधि विषुव नाम दिया जाता है विषुव विधि।

गुणितविषुव अवधि विषुव दूरी विषुव विधि (विशिष्ट विषुव)
 $= \sin \theta_2 - \sin \theta_1 = \frac{3\lambda}{2(a+b)} - \frac{\lambda}{2(a+b)} = \frac{\lambda}{(a+b)}$

दिवारी फॉर्म (Diffraction pattern):

गुणित फॉर्म इसके अलावा दूरीविषुव विषुव विधि विषुव विधि, इसे दिवारी फॉर्म, गुणित फॉर्म और उपरिविषुव (superposed) भी।

प्रकाश दूरीविषुव अवधि विषुव विधि विषुव विधि।

$a \sin \alpha_1 = \lambda = \sin (\alpha = \text{विषुव विधि})$

$\therefore \sin \alpha_1 = \lambda/a$

$$\therefore \frac{n\lambda}{2} = p\lambda \therefore [n = 2p]$$

when $p=1, 2, 3$, तब यह होता है $n=2, 4, 6$ के लिए ताकि अपने उपर्युक्त अवधारणाओं परिसीमा, क्षेत्रफल, और विभिन्न व्यक्तिगत काम के लिए निपटने में। तथा अपने उपर्युक्त सीमाओं के बाहर विभिन्न व्यक्तिगत काम के लिए उपयोग होता है;

Case:2: $2a = b \cdot 2\pi$, अर्थात् दोषित उपर्युक्त के लिए अपना प्रत्येक अवधारणा के लिए अवधारणा के लिए $a \sin \theta = p\lambda$

$$3a \sin \theta = n\lambda \quad | \text{अर्थात् } a \sin \theta = p\lambda$$

$$\therefore a \sin \theta = \frac{n\lambda}{3} \quad | \quad \therefore \frac{n\lambda}{3} = p\lambda \quad | \quad n = 3p$$

$$\therefore p = 1, 2, 3, \dots \text{etc. अवधारणा } n = 3, 6, 9, \dots \text{etc.}$$

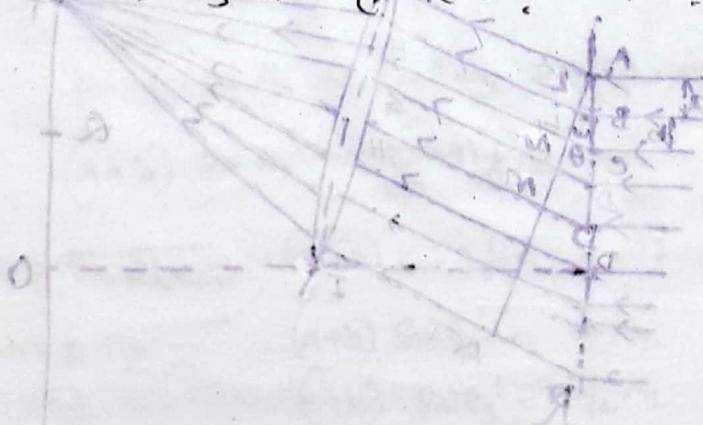
अवधारणा, 3rd, 6th, 9th त्रिभुज

कहा विषय missing है, इस दोषित उपर्युक्त अवधारणा की क्षेत्रफल अवधारणा विषय

Case-3: अवधारणा $a+b = a$ अवधारणा, $b=0$ अवधारणा, दोषित उपर्युक्त अवधारणा

अवधारणा $b=n$ (), $p=1, 2, 3, \dots \text{etc.}$ अवधारणा $p=1, 2, 3, \dots \text{etc.}$

$$\therefore \text{इसमें कहा विषय विभिन्न जिकरियों के लिए होता है, जो आवश्यक अवधारणा के लिए उपर्युक्त अवधारणा के लिए अवधारणा के लिए कहा विषय होता है।}$$



एक विशेष आवश्यक अवधारणा निकट परिवर्तन द्वारा आवश्यक अवधारणा के लिए कहा विषय होता है।

यदि कुछ अवधारणा के लिए एक समीकरण दी जाती है, तो इसके लिए कहा विषय होता है।

यदि कुछ अवधारणा के लिए एक समीकरण दी जाती है, तो इसके लिए कहा विषय होता है।

यदि कुछ अवधारणा के लिए एक समीकरण दी जाती है, तो इसके लिए कहा विषय होता है।

यदि कुछ अवधारणा के लिए एक समीकरण दी जाती है, तो इसके लिए कहा विषय होता है।

यदि कुछ अवधारणा के लिए एक समीकरण दी जाती है, तो इसके लिए कहा विषय होता है।

यदि कुछ अवधारणा के लिए एक समीकरण दी जाती है, तो इसके लिए कहा विषय होता है।

यदि कुछ अवधारणा के लिए एक समीकरण दी जाती है, तो इसके लिए कहा विषय होता है।

অপর্যান্ত ছুটি (Diffraction grating):

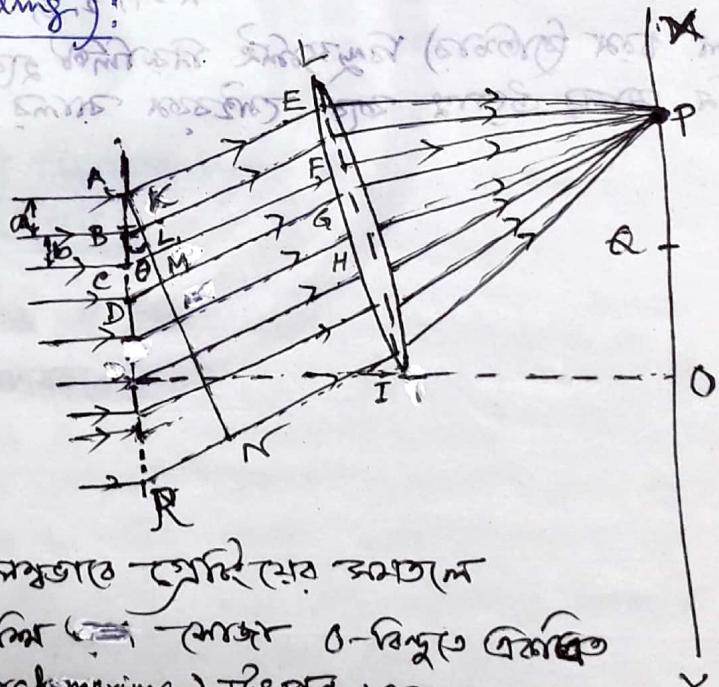
বিশ্বব্যক্ত অসমিয়া মিলিন প্রযোজন করে সাধারণত অপর্যান্ত ছুটি প্রযোজন করে। অপর্যান্ত ছুটি অবিভাব্য: মুক্ত অসম ৩৫। ২০২-

- i) নিঃশব্দ ছুটি or transmission grating
- ii) অভিযন্ত ছুটি or reflection grating,

নিঃশব্দ ছুটি অসম দ্বারা উৎপন্ন করি। এখনো পর্যন্ত অসম দ্বারা উৎপন্ন কৃত ছুটি প্রযোজন করা হয়ে আছে কোনো রকম রেফলেক্ষন ছুটি প্রযোজন করা হয়ে আছে। অন্যের পরে কোনো অপর্যান্ত ছুটি প্রযোজন করা হয়ে আছে। কিন্তু দ্বিতীয় ক্ষেত্রে আবির্ভূত কান্ত প্রচলিত অসম দ্বারা উৎপন্ন কৃত রেফলেক্ষন ছুটি প্রযোজন করা হয়ে আছে। একই ক্ষেত্রে অপর্যান্ত ছুটি প্রযোজন করা হয়ে আছে। অন্যের পরে অপর্যান্ত ছুটি প্রযোজন করা হয়ে আছে। অন্যের পরে অপর্যান্ত ছুটি প্রযোজন করা হয়ে আছে।

অভিযন্ত নিঃশব্দ ছুটি প্রযোজন (Diffraction by a plane transmission grating):

চিত্র, ABCDR - এর পথের পরিমাণ
নিঃশব্দ ছুটি - পথ - কোণ রাখ
অত্যুক্ত উচ্চতা অনু ১
এবং অনুকূল অনুমতি অনু ১;
($a+b$) এক অগ্রিম প্রযোজন
(grating element) রয়ে। A ও C
বিষু অবস্থা B ও D বিষুক
প্রযোজনের অনুমতি বিষু রয়ে।



যদি কোন অভিযন্ত পথের লম্বাতে প্রযোজন করা হয় তবে
প্রযোজিত রেফলেক্ষন পথের ক্ষেত্রে অবস্থা O-বিষুক কোণিত
হয়ে কেন্দ্রীয় প্রযোজন বিষু (central maxima) প্রযোজন করা হয়ে থাকে।
এছেও, অগ্রিম প্রযোজন পথের অনুমতি বিষু না, কিন্তু অগ্রিম পথের অনুমতি বিষু রয়ে। অগ্রিম পথের অনুমতি বিষু করার ক্ষেত্রে অবস্থা প্রযোজিত রেফলেক্ষন পথের অনুমতি বিষু রয়ে। এই অবস্থার অনুমতি অগ্রিম পথের অনুমতি বিষু রয়ে।

ଅନୁମତି ଆକ୍ଷେପିତା କରିବାର ସ୍ଥାନ ପରିମା ମିଳିବା ଦିନ ୨୦୧୫, ମୁହଁ ୨୨
ଅନୁମତି କରିଲେ ଯାତ୍ରା ଦିନ ୨୦୧୫,

AOC ଏବଂ C ଏବଂ ଅନୁମତି ବିଷୟରେ ଏହି ନିମ୍ନ ଅନୁମତି ପରିମା ଦିନ ୨୦୧୫
 $CL = AC \sin \theta = (a+b) \sin \theta$

BOD, BGD - ଅନୁମତି ବିଷୟରେ ଏହି ନିମ୍ନ ଅନୁମତି ପରିମା ଦିନ ୨୦୧୫;

$$DM = BD \sin \theta - a \sin \theta = (a+b+a) \sin \theta - a \sin \theta = (a+b) \sin \theta$$

\therefore ଏହି ଦେଖିଲେ ଏହି ଅନୁମତି ବିଷୟରେ ଏହି ନିମ୍ନ ପରିମା ଦିନ ୨୦୧୫

ଚତୁର୍ଥ ମିଳୁ (maxima):

P - ଏହିପରିମା ଚତୁର୍ଥ ମିଳୁ ପରିମା ଦିନ ୨୦୧୫

$$(a+b) \sin \theta_n = n\lambda \quad (n=1, 2, 3, \dots)$$

$\therefore n=0$ ଅନୁମତି, କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ଚତୁର୍ଥ ମିଳୁ (central maxima) ପରିମା ଦିନ ୨୦୧୫

ସାଥେ $n=1 \frac{2\pi}{\lambda}$, $(a+b) \sin \theta_1 = \lambda \rightarrow$ ଏହିପରିମା

$n=2$ " $(a+b) \sin \theta_2 = 2\lambda \rightarrow$ ଏହିପରିମା "

$n=3$ " $(a+b) \sin \theta_3 = 3\lambda \rightarrow$ ଏହିପରିମା ।

ଅନ୍ତର୍ମିଳୁ (minima):

P - ଏହି ନିମ୍ନ ଅନ୍ତର୍ମିଳୁ ପରିମା ଦିନ ୨୦୧୫;

$$(a+b) \sin \theta'_n = (2n+1)\frac{\lambda}{2} \quad (\theta'_n = \text{ଅନ୍ତର୍ମିଳୁ ପରିମା})$$

$$\therefore n=0 \frac{2\pi}{\lambda} \quad (a+b) \sin \theta'_0 = \frac{1}{2}\lambda$$

$$n=1 " \quad (a+b) \sin \theta'_1 = \frac{3}{2}\lambda$$

$$n=2 " \quad (a+b) \sin \theta'_2 = \frac{5}{2}\lambda$$

ଏହି ଅନ୍ତର୍ମିଳୁ, ଦୂର୍ବଳ ଅନୁମତି ବେଳି ଏହିପରିମା ଦିନ ୨୦୧୫ । ଏହା ବିଷୟରେ
କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ଚତୁର୍ଥ ମିଳୁ ପରିମା ଦିନ ୨୦୧୫ ଅନୁମତି କରିଲେ
କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ଅନୁମତି ଦିନ ୨୦୧୫ । $n=1, 2, 3$ ଇତ୍ୟାବଳୀ ଏହାକାମ ଅନୁମତି, ଏହିପରିମା
କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ଅନୁମତି ଦିନ ୨୦୧୫,

एवं नई उत्तरालीपृष्ठ तथा $(a+b) \sin \theta_n = n\lambda$

$$\Rightarrow \sin \theta = \frac{n\lambda}{a+b} = Nn\lambda \quad \text{--- (1)}$$

इसमें, $N = \frac{1}{a+b}$ है तो हम प्रति सेकंड में कितने रुलिंग्स हैं।
रुलिंग्स अप्रति (no. of rulings per centimeter).

$$\sin(\theta_0) = \sin \theta_0 - \sin(\theta + \delta\theta) = \sin \theta_0 - \sin \theta_0 \cos \delta\theta = NC.$$

द्वितीय चक्र (3 द्वितीय चक्र) (Secondary maxima or minima):

अधिकांश उपर्युक्त विभाजन तरंगालीपृष्ठ चक्र (3 द्वितीय चक्र) विभाजित करता है (3 द्वितीय चक्र) एवं प्रत्येक अप्रति, एवं उपर्युक्त चक्र (3 द्वितीय चक्र) के बीच का अंतर एक उपर्युक्त विभाजन के बीच का अंतर है। ऐसे अकेले चक्र (3 द्वितीय चक्र) की गणना करना कठिन है।

वेगवत्तन ग्रेटर द्वितीय चक्र द्वारा विभाजित (Determination of wave length by a diffraction grating):

n के इस प्रायः उपर्युक्त विभाजन तरंग अप्रति θ_n वृत्त, तो चक्र विभाजित इकाई के अंतर: $(a+b) \sin \theta_n = n\lambda$

$$\lambda = \frac{(a+b) \sin \theta_n}{n}$$

$$\lambda = \frac{\sin \theta_n}{Nn}$$

$$\text{इसमें, } N = \frac{1}{a+b}$$

उपर्युक्त विभाजन, उपर्युक्त विभाजन n , वेगवत्तन तरंग θ_n एवं

N - विभाजन के बहुत सारे अलग अलग विभाजन द्वारा विभाजित होते हैं।

उपर्युक्त विभाजन के बहुत सारे अलग अलग विभाजन द्वारा विभाजित होते हैं।

ಅಪಳತನ ಶ್ರೋಟಿಗಳ ಪ್ರಮಾಣದ ವರ್ಣನೆಯ ಸಾರ್ಥಕ ಮೂಲಕ:

ಕಾಲ ಅಪಳತನ ಶ್ರೋಟಿಗಳ ಪ್ರಮಾಣ ವರ್ತಾಲೀಸ ಮಾರ್ಪಾಯಿಗೆ n , ಅಪಳತನ ಹೊತ್ತಿನ a , ಅಪಳತನ ಉಪರ್ಯುಕ್ತ b , ದೈಹಿಕ ಏತಾ ವಿಭಾಗ (a+b) ಎಂಬ ಕಾರಣ ವಿಧಿ ಇದೆ.

$$(a+b) \sin \theta_n = n\lambda \\ \therefore n = \frac{(a+b) \sin \theta_n}{\lambda} \quad \text{--- (1)}$$

ಅಂತರ: n -ವೇಳಣ ಮಾರ್ಪಾಯಿ ಶತ ಅಂಶ $\theta = 90^\circ$ ಇಲ್ಲಿ ಏತಾ ಮೂಲಕ,

$$n = \frac{(a+b)}{\lambda} = \frac{1}{N\lambda} \quad N = \text{no. of rulings per cm.}$$

Example: $N = 2000$, $\lambda = 6500 \text{ Å}$ $\frac{1}{27\pi}$, $n = \frac{1}{2000 \times 6500 \times \frac{1}{27\pi}} \approx 8$

□ ಶ್ರೋಟಿ-ಪಡ ಅನುಭಿತ/ತಿಳಿಂಣಿತ ವರ್ಣನೆ:

ಶ್ರೋಟಿ ನೆಂದು ವರ್ತಾಲೀಸ ಕ್ರಾಂತಿ ಅನ್ತರ ಅನುಭಿತ ಮಾರ್ಪಾಯಿದ್ದಾಗಿ ಇದು, ಅನು ತಮ್ಮ ಕ್ಷಿಮ ವಿಧಿ ಇಂಳಿದಾಗಿ ಪಾಲಾ ಕಾವ ಅನುಭಿತ ಮಾರ್ಪಾಯಿದ್ದಾಗಿ ಇದು ಇಲ್ಲ, ಅದೆ ವಿಧಿ ವಿಧಿ ಅನುಭಿತ ವಿಧಿ ಇಲ್ಲ ಅದೆ ವರ್ತಾಲೀಸ ಕ್ರಾಂತಿ ಅನುಭಿತ ವರ್ಣನೆ ಆಗಿ ವರ್ಣಿಸಿಕೊಂಡಿರುತ್ತಾಗೆ ಇದು ಅನುಭಿತ ವರ್ಣನೆ ಆಗಿ.

ಶ್ರೋಟಿ-ಪಡ ಅನುಭಿತ: n ಕ್ಷಿಮ ಕ್ಷಿಮ ಒಂದು ಅಂಶ ಇಲ್ಲಿ ಇಲ್ಲ,

$$(a+b) \sin \theta_n = 0 \quad n\lambda \quad \text{--- (1)} \quad n = \text{ಅಂಶ ಮೀನ್ಯಗೆ}$$

ಅಂತರ: n ಕ್ಷಿಮ ಕ್ಷಿಮ ಒಂದು ಅಂಶ ಇಲ್ಲಿ ಇಲ್ಲ,

ಅಂತರ: ದೇಹ ಪ್ರಾರ್ಥಿ ನೆಂದು ಅಂಶ ಪಾಲಾ ಕಾವ ಇಲ್ಲ ಅಥ ವರ್ತಾಲೀಸ ಅನುಭಿತ ಆಗಿ.

$$\therefore \text{ಅಂಶಗೆ}, \quad (a+b) \sin \theta_n = 0 \Rightarrow \theta_n = \frac{\pi}{2} \text{ rad.}$$

$$\therefore \frac{n\lambda}{a+b} = \frac{p\lambda}{a} \quad \text{--- (1)}$$

$$\Rightarrow \frac{a+b}{a} = \frac{n}{p} \quad \text{--- (2)}$$

$$\text{ಅಂತರ}, \quad a=b \quad \text{27\pi}, \quad \frac{n}{p} = \frac{2}{1} = \frac{2}{1}, \frac{4}{2}, \frac{6}{3}, \frac{8}{4}, \dots \text{ಎಲ್ಲಾಗಳೇ}$$

$$\therefore p = 1, 2, 3, 4 \quad \text{ಎಲ್ಲಾಗಳಿಗೆ 2nd, 4th, 6th, } \\ n = 2, 4, 6, 8 \quad \text{ಎಲ್ಲಾಗಳಿಗೆ 2\pi, } \quad \left. \begin{array}{l} \text{ಎಲ್ಲಾಗಳಿಗೆ 2\pi, } \\ \text{ಎಲ್ಲಾಗಳಿಗೆ 2\pi, } \end{array} \right\} \text{ಎಲ್ಲಾಗಳಿಗೆ 2\pi, } \\ \text{ಎಲ್ಲಾಗಳಿಗೆ 2\pi, } \quad \text{ಎಲ್ಲಾಗಳಿಗೆ 2\pi, } \\ \text{ಎಲ್ಲಾಗಳಿಗೆ 2\pi, }$$

$$\text{ಆಗಾಗೆ}, \quad b=2a \quad \text{27\pi}, \quad \frac{n}{p} = \frac{3}{1}; \quad \therefore p=1, 2, 3, 4 \dots \text{ಎಲ್ಲಾಗಳಿಗೆ 2\pi, } \\ n=3, 6, 9, 12, \dots \quad " \quad 2\pi,$$

ಅಂತರ: 3rd, 6th, 9th ಎಲ್ಲಾಗಳಿಗೆ ಅನುಭಿತ ಆಗಿ.

ग्रेटिं-पर वित्तन शक्ति (Dispersive power of grating):

आवर्णन ग्रेटिं-पर वित्तन शक्ति अभी आवाहन करता है। यहाँ वित्तन शक्ति का अवधारणा विकल्प नहीं दिया गया है, किंतु इसके अनुपर्याप्त विवरण दिया गया है। लाल रंग की तरफ से धूम्रपानी की ओर रेफ्रेक्शन दृष्टि का रखा गया है।

$$n\text{th उत्तरीलोर रेफ्रेक्शन} : \sin \theta_n = \frac{n\lambda}{a+b} \quad \therefore \theta_n \propto \lambda \quad \text{--- (1)}$$

प्रत्येक रेफ्रेक्शन के लिए $\lambda + d\lambda$ वाले उत्तरीलोर रेफ्रेक्शन के लिए वित्तन शक्ति अलग।

इसे $\theta + d\theta$ रूप लेकर, $\frac{d\theta}{d\lambda}$ को ग्रेटिं-पर वित्तन शक्ति कहा जाता है।

प्रत्येक ① रेफ्रेक्शन के लिए $\cos \theta_n d\theta = \frac{n d\lambda}{a+b} = N n d\lambda \quad (N = \frac{1}{a+b})$
(no. of rulings/cm)

$$\therefore \frac{d\theta}{d\lambda} = \frac{N n}{\cos \theta_n} \quad \therefore \frac{d\theta}{d\lambda} \propto n \quad \text{वित्तन शक्ति का अवधारणा विकल्प नहीं दिया गया है।}$$

$\frac{d\theta}{d\lambda} \propto N$, \Rightarrow अपेक्षित रेफ्रेक्शन के लिए वित्तन शक्ति में अधिक विकल्प नहीं।

$$\frac{d\theta}{d\lambda} \propto \frac{1}{\cos \theta} ; \quad \therefore \theta = 0 \text{ वाले वित्तन शक्ति के लिए अधिक विकल्प नहीं।}$$

ग्रेटिं-रत्तली वर्ष वित्तन की तुलना (Comparison between grating spectrum and prism spectrum):

i). वित्तन वर्ष रत्तली वर्ष में से बहुत अचूक है। वित्तन वर्ष की वित्तन शक्ति का अधिक विकल्प वर्ष की वित्तन शक्ति का अधिक विकल्प है। वित्तन वर्ष की वित्तन शक्ति का अधिक विकल्प वर्ष की वित्तन शक्ति का अधिक विकल्प है।

ii). वित्तन वर्ष $\theta \propto \lambda$ है, जबकि वित्तन वर्ष की वित्तन शक्ति का अधिक विकल्प वर्ष की वित्तन शक्ति का अधिक विकल्प है। वित्तन वर्ष की वित्तन शक्ति का अधिक विकल्प वर्ष की वित्तन शक्ति का अधिक विकल्प है।

iii). वित्तन वर्ष की वित्तन शक्ति का अधिक विकल्प है। वित्तन वर्ष की वित्तन शक्ति का अधिक विकल्प है। वित्तन वर्ष की वित्तन शक्ति का अधिक विकल्प है। वित्तन वर्ष की वित्तन शक्ति का अधिक विकल्प है।

2021-22

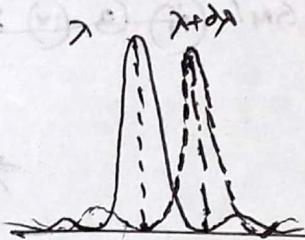
(iv) निष्कर्ष तात्परीय उत्तरांश - दृष्टि तात्परी उत्तरांश (पर्याप्त),

(v) निष्कर्ष विशेषीय उत्तरांश - दृष्टि अल्प उत्तरांश।

अवकर्ण ड्रेफ्टिंग द्वारा विभाजनी शक्ति (Resolving power of a diffraction grating)

एक अवकर्ण द्वारा दो विभिन्न तात्परी उत्तरांश के बीच विभाजन शक्ति; एकत्र समाप्त दो अवकर्ण द्वारा दो विभिन्न तात्परी उत्तरांश के बीच विभाजन शक्ति, अद्य इस पर, इस तात्परी उत्तरांश के बीच विभाजन शक्ति अवकर्ण द्वारा $\frac{1}{\lambda}$ के अनुप्रवर्त विभाजन शक्ति के बीच अल्प अंतर $\Delta\lambda = \lambda + d\lambda$ के बीच विभाजन शक्ति के बीच अल्प अंतर।

इसलिए विभिन्न अवकर्ण, अवकर्ण द्वारा दो विभिन्न तात्परी उत्तरांश के बीच अल्प अंतर $\Delta\lambda = \lambda + d\lambda$ के बीच विभाजन शक्ति विभिन्न अवकर्ण द्वारा विभिन्न अवकर्ण द्वारा विभिन्न अल्प अंतर के बीच विभाजन शक्ति के बीच अल्प अंतर अवकर्ण द्वारा विभिन्न अवकर्ण द्वारा विभाजन शक्ति के बीच अल्प अंतर के बीच अल्प अंतर है।



$$\therefore \text{विभाजन शक्ति} = \frac{\Delta\lambda}{\lambda}$$

GG' - एक अवकर्ण द्वारा दो विभिन्न तात्परी

$$GG' \cdot 20^\circ = 20^\circ \cdot \sin 20^\circ = m$$

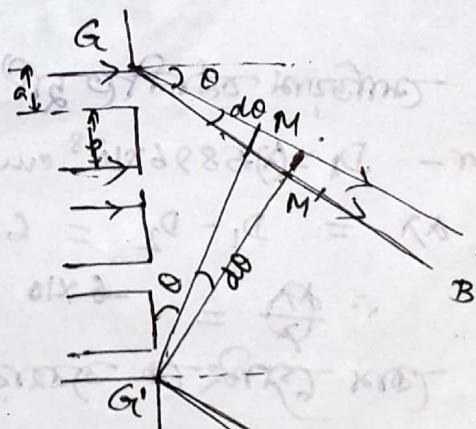
उत्तरांश = $a+b$, अल्प, अद्य तात्परी

दूसरे अवकर्ण द्वारा विभिन्न अवकर्ण

उत्तरांश = 0, अल्प, अल्प दो विभिन्न तात्परी

दूसरे अवकर्ण द्वारा दो विभिन्न तात्परी

अवकर्ण द्वारा अल्प अल्प अल्प अल्प अल्प



$$GM = GG' \sin \theta$$

$$\Rightarrow GM = m(a+b) \sin \theta \quad \text{--- (i)}$$

(ii) अब, अवकर्ण अल्प

$$(a+b) \sin \theta = n\lambda$$

दूसरे अवकर्ण द्वारा अल्प अल्प अल्प = $(a+b) \sin \theta$

दूसरे अवकर्ण द्वारा अल्प अल्प अल्प = $n\lambda$,

$$\therefore GM = mn\lambda \quad \text{--- (ii)}$$

मिश्री, α -कोण के चौथे शैराह त्रिकोण अर्थ ($\alpha+d\lambda$) का मूल वर्णन करता है। इसे अपवाहित अग्रीं GB और GB' द्वारा घेरा हुआ एक त्रिमिश्र त्रिकोण का अधिकारी बताया जाता है। परंतु वास्तव में इसकी क्षेत्रफल $= GM'$ भवत्याग $GM' > GM$ है, कानून, त्रिभवि उपर्युक्त विकल्प G एवं विकल्प त्रिकोण Δ_1 की क्षेत्रफल G के बहुत अधिक है। इसका लिखन कानूनी अपवाहित अवश्यक है।

$$\therefore \text{अपवाहित } GM' = GM + \lambda = mn\lambda + \lambda = (mn+1)\lambda \quad \text{(iii)}$$

परमानन्द, GB की GB' वर्णन करता है ($\lambda+d\lambda$) त्रिभवि त्रिकोण का अपवाहित अधिकारी का लिखन कानून, $GM' = GM \sin(\alpha+d\lambda)$

$$= m(a+b) \sin(\alpha+d\lambda) \quad \text{(iv)}$$

$$\therefore m(a+b) \sin(\alpha+d\lambda) = mn \sin(\lambda+d\lambda) \quad \text{(v)}$$

$$(a+b) \sin(\alpha+d\lambda) = n \sin(\lambda+d\lambda) \quad \text{(vi)}$$

प्रमान, यहाँ लिखा वाला अपवाहित, लघु अपवाहित λ के लिए $(\lambda+d\lambda)$ के लिखन कानून का अपवाहित अधिकारी विकल्प लिखता है, (GGM') (ii) वा (iv) वा आधिकारी विकल्प लिखता है।

$$\begin{aligned} mn(\lambda+d\lambda) &= (mn+1)\lambda \\ \Rightarrow mn\lambda + mnd\lambda &= mn\lambda + \lambda \\ \Rightarrow \boxed{\frac{\lambda}{d\lambda} = mn} &= \text{अपवाहित अधिकारी का लिखन कानून} \end{aligned}$$

Example: अपवाहित अधिकारी के लिए अपवाहित क्षेत्र लिखता है।

उत्तर- $D_1 = 5896 \times 10^8 \text{ cm}$ एवं $D_2 = 5890 \times 10^8 \text{ cm} = (\lambda+d\lambda)$

$$\therefore d\lambda = D_1 - D_2 = 6 \times 10^8$$

$$\therefore \frac{\lambda}{d\lambda} = \frac{5890 \times 10^8}{6 \times 10^8} \approx 1000$$

अपवाहित अपवाहित अधिकारी लिखता है ((ii)), $mn = 1000$ वा (iv),
 $m = 1000$ वा, $n = 1$ वा, अपवाहित अधिकारी लिखता है ((iv)),
अपवाहित अपवाहित अधिकारी लिखता है।